<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u> 11-10-15

श्रेष्ठ जीवन के निमार्ण में विचारों की महत्वपूर्ण भूमिका - डा॰ के॰ के॰ अग्रवाल

सच्चा लीडर वो है जो दिल से लीड करता है - राजयोगिनी आशा दीदीजी

आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों में ही सच्ची शान्ति का समावेश - राजयोगी भ्राता ब्रजमोहनजी

गुड़गाँव,ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में **आई एम ए के डाक्टर्स** के लिए दो दिवसीय **स्ट्रेस डिटोक्स एण्ड लीडरशिप मीट** विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूरे देश से आये लगभग 200 डाक्टर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए देश के **सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ एवं पद्म श्री से सम्मानित डा॰ के॰ के॰ अग्रवाल** ने कहा कि वास्तव में जीवन हमारे स्वयं के विचारों का ही परिणाम है। हम जैसे विचार करते हैं वो हमारे बोल और कर्म में परिवर्तन होते हैं। जो धीरे-धीरे हमारी आदतों का निमार्ण करते हैं वही आदतें संस्कार कहलाती हैं। हम जीवन भर जो भी करते हैं, शरीरान्त के बाद आत्मा अपने साथ उन्हीं संस्कारों को ले जाती है। आज मुझे बहुत खुशी है कि हम एक ऐसे स्थान पर एकत्रित हुए हैं, जहाँ से अपने विचारों को एक श्रेष्ठ परिवर्तन की दिशा दे सकते हैं। इन दो दिनों में हम यहाँ पर अन्त: निरीक्षण करेंगे कि स्वयं में व समाज में आध्यात्मिक शक्ति के द्वारा कैसे बदलाव लाया जाए।

दिल्ली से आए बाल रोग विशेषज्ञ एवं पूर्व अध्यक्ष आई एम ए डा॰ विनय अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय डाक्टर्स के सामने बहुत बड़ी चनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि हम यहाँ से एक ऐसी शक्ति भरकर जायेंगे जो चुनौतियों का सहज रूप से सामना कर सरकार को भी बेहतर ढंग से उनके बारे में अवगत करा सकें। हमारी इस मीटिंग का यही उद्देश्य है कि हम इस आध्यात्मिक एवं शान्त वातावरण में आगे बढ़ने के लिए सही मार्ग दर्शन प्राप्त कर सकें।

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य सचिव राजयोगी भ्राता ब्रजमोहन जी ने अपने संबोधन में कहा कि डाक्टर्स का स्थान भगवान के बाद आता है क्योंकि वो भी जीवन की रक्षा करते हैं। वर्तमान समय हर क्षेत्र में समस्यायें बढ़ती जा रही हैं, जिसका मूल कारण मानव को स्वयं की सही पहचान न होना है। उन्होंने कहा कि आज कोई शक नहीं कि दुनिया ने बहुत उन्नति कर ली है, लेकिन वो सब बाह्य रूप से, अन्दर से हम अपने नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। आज अगर कोई व्यक्ति पद एवं प्रतिष्ठा के आधार पर विश्व में सर्वोच्च पद पर आसीन हो भी जाता है, परन्तु कुछ ही दिन में वो अपने को असहाय महसूस करने लगता है। उन्होंने कहा कि आज के इस कलियुगी समाज में समस्यायें तो आनी ही हैं। अगर हम ये समझ जाएं कि उंचाई-निचाई तो जीवन में आती ही रहती हैं लेकिन मुझे स्थिर रहना है। हमारे अन्दर असीमित शक्तियां हैं, सिर्फ उन्हें जाग्रत करने की आवश्यकता है। जितना हम भीतर से शक्तिशाली होते जायेंगे उतना समस्याओं का सहज ही निराकरण कर सकते हैं। राजयोग एक ऐसी विधि है जो हमें स्वयं से जोड़ती है।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदीजी ने अपने प्रेरणादाई उद्‌बोधन में बताया कि सबसे अच्छा लीडर वो है, जो अपने जैसे लीडर बनाता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा ने जो कहा वो पहले स्वयं करके दिखाया। ब्रह्मा बाबा ने कभी किसी को अस्वीकार नहीं किया, कोई कैसा भी था, लेकिन उसकी विशेषता को पहचान कर उसे सम्मान दिया। सच्चा लीडर वही है जो हरेक को साथ लेकर चले। लीडर वही है जो दिल से लीड करता है सिर्फ दिमाग से नहीं। दिल से लीड करना अर्थात् जीवन में प्यार, दया, रहम और सद्‌भावना जैसे महान मूल्यों से समावेशित होना। लीडर कभी लेने में विश्वास नहीं करता परन्तु वो सदा सभी को देने की भावना से कार्य करता है। वैसे भी हमारा देश देवी-देवताओं की भूमि रहा है, देने में जो खुशी मिलती है वो कदापि लेने में प्राप्त नहीं हो सकती।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में ब्रह्माकुमारीज़ के दिल्ली, लाजपत नगर सेवाकेन्द्र की संचालिका वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका सपना बहन ने सामाजिक स्वास्थ्य विषय पर बोलते हुए कहा कि हमारा समाज तभी स्वस्थ एवं खुश रह सकता है, जब हम सभी अपने को जिम्मेवार समझकर आपसी सम्बन्धों को सरल बनाएं। उन्होंने कहा कि आज विज्ञान ने विकास की सारी ऊंचाईयां तो छू ली मगर हम स्वयं के भीतर नहीं पहुंच पाये। आध्यात्मिकता भी एक विज्ञान है जो हमें स्वयं के गुणों और शक्तियों से अवगत कराती है। जितना हम आत्मिक अनुभूति करते हैं, उतना ही हमारे सम्बन्धों में मधुरता आती है और हमारा समाज स्वस्थ एवं खुशहाल बन जाता है। कार्यक्रम का संचालन ओआरसी की बी के हुसैन बहन ने किया।

वैप्शनः-1. डा॰ के॰ के॰ अग्रवाल, अध्यक्ष हार्ट केअर् फाउन्डेशन ऑफ इण्डिया, महासचिव आई एम ए।

2. डा॰ विनय अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष आई एम ए।
3. राजयोगिनी आशा दीदीजी, निदेशिका ओआरसी।
4. राजयोगी भ्राता ब्रजमोहनजी, मुख्य सचिव ब्रह्माकुमारीज़।
5. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।
6. मंचासीन मेहमान दाएं से डा॰ के॰ के॰ अग्रवाल, डा॰ विनय अग्रवाल, भ्राता ब्रजमोहनजी, आशा दीदीजी, बी के सपना बहन और बी के हुसैन बहन।
7. कार्यक्रम में उपस्थित डाक्टर्स।